बिहार के खुरमा, तिलकुट और बालूशाही को GI टैग दिलाने की कोशिश

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नाबार्ड के महाप्रबंधक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि नाबार्ड बिहार के खुरमा, तिलकुट और बालूशाही को जीआई टैग दिलाने में मदद करेगा।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. सुनील ने बताया कि जीआई टैग दिलाने हेतु नाबार्ड द्वारा इन मिठाइयों की विशेषताओं और उनके स्रोत की जानकारी प्राप्त करने के बाद उत्पादकों से आवेदन करने के लिये कहा जाएगा।
- गौरतलब है कि बिहार में गया का तिलकुट, सीतामढ़ी की बालूशाही और भोजपुर ज़िले के उदवंतनगर का खुरमा अत्यधिक प्रसिद्ध है।
- बिहार के कई उत्पादों को पहले से ही GI टैग प्रदान किया जा चुका है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है-
  - भागलपुरी जरदालू आम
  - कतरनी चावल
  - मगही पान
  - शाही लीची
  - मधुबनी पेंटिंग
  - पिपिली कार्य

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gi-tag-for-khurma,-tilkut-and-balushahi-of-bihar